कोविड 19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021–22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांग

क्र0 स0	माह	संगीत (वादन) कक्षा – 11
1	मई	**20 मई से ऑन लाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ।** **संगीत गायन में प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अलावा निम्नलिखित पाठ्यवस्तु और रहेगी।** वाद्यों का वर्गीकरण। चुने गये वाद्य के विभिन्न अंगों का वर्णन एवं मिलाने का विशेष ज्ञान, भारतीय संगीत का इतिहास।
2	जून	**संगीत विज्ञान**– स्वर,तोड़ा, तिहाई, चिकारी, पेशकारा, टुकड़ा, मुखड़ा,पलटा। चयनित वाद्य का इतिहास। जीवनी / योगदान– अमीर खुसरों , पं0 हरि प्रसाद चौरसिया।
3	जुलाई	1. संगीत सम्बन्धी विषयों पर सामान्य निबन्ध। 2. बाजों के प्रकार (दिल्ली) (बनारस)। 3. कठिन अलंकारों की रचना। 4. विलम्बित, मध्य, द्रुतलय का ज्ञान। गत और गत के प्रकारों का अध्ययन।
4	अगस्त	जीवनी तथा सांगीतिक योगदान– भारतीय संगीतज्ञों– पं0 शारंगदेव, तानसेन, उ0 विलायत खाँ ,अल्लारक्खा खाँ। परिभाषा एवं व्याख्या– जमजमा, मोहरा, तिहाई, सम, ताली, खाली, भरी।
5	सितम्बर	वाद्य पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित रागों की विशेषताएं– राग– राग भीमपलासी का पूर्ण परिचय एवं भीमपलासी राग की विशेषताएं। राग भीमपलासी में एक गत मसीतख़ानी और एक गत रज़ाख़ानी जिसका विस्तार सहित अभ्यास। राग तिलक कामोद का पूर्ण परिचय, विशेषताएं तथा उसकी रज़ाख़ानी गत बिना किसी विस्तार के। **ताल–** तीव्रा ताल, झपताल में विस्तृत प्रायोगिक एवं लिखित रूप से पर्याप्त बोल (ठेका, पेशकार, परन, टुकड़े, तिहाइयाँ आदि) जानना चाहिए। पाठ्यक्रम की तालों– तीनताल, झपताल के विभिन्न लयात्मक प्रकार, तालों को तालिपि में लिखने की क्षमता जैसे– कायदा, परन, टुकड़ा।
6	अक्टूबर	स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास एवं भेद (तुलना)। गतों को स्वरलिपि में साधारण तोड़े एवं झाले के साथ लिखने की योग्यता। **राग–** राग भैरव का विस्तृत लिखित एवं प्रयोगात्मक अध्ययन। एकताल, चारताल के विभिन्न लयों के साथ लयात्मक प्रकार। तालों में कायदा, पलटा, तिहाई के साथ लिपिबद्ध करने की योग्यता। सोलो प्रदर्शन की तालें– तीनताल
7	नवम्बर	राग– राग पूर्वी ताल– ताल दादरा, कहरवा, रूपक तालों का पूर्ण परिचय तथा क्रियात्मक अभ्यास। सोलो प्रदर्शन की तालें– एकताल अर्द्धवार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन। अर्द्धवार्षिक लिखित परीक्षा का आयोजन।
8	दिसम्बर	स्वर समूहों के आधार पर रागों को पहचानना।

		प्रयोगात्मक रूप से अभिव्यक्ति आलापों द्वारा रागों को पहचानने की योग्यता। राग– राग मारवा का पूर्ण परिचय, विशेषताएं। मारवा राग में बिना किसी कलात्मक विकास के एक गत (रज़ाख़ानी) का लिखित एवं प्रायोगिक अध्ययन/अभ्यास। ठेकों के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता। सोलो प्रदर्शन की तालें– चारताल, सूलताल। विभिन्न लयकारियाँ– जैसे– दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ का अभ्यास।
9	जनवरी	सरल धुनों के साथ दादरा, कहरवा, तीनताल, रूपक, एकताल, चौताल, धमार में संगत करने की योग्यता। पुनरावृत्ति। **वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन।**
10	फरवरी	**गृह वार्षिक लिखित परीक्षा का आयोजन।**
11	मार्च	**परीक्षाफल का वितरण।**

कक्षा–11 में लगभग 30 प्रतिशत हटाया गया पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

खण्ड (ख) **(संगीत का इतिहास एवं शैलियों का अध्ययन)**

सूलताल, अल्प स्वर विस्तार।

(3) द्रुतगतें।

बाजों के प्रकार (अजराड़ा)

(5) भातखण्डे, एम0 राजम।